

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2013

## प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (ताजिक शास्त्र)

1. विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में जन्मे जातक (7 अक्टूबर 1986, शाम 6 बजकर 15 मिनट, मंगलवार) के 30 वर्ष पूर्ण होने पर अक्टूबर 2013 से आरम्भ होने वाली वर्ष कुंडली बनाए।
2. इत्थसाल योग क्या है? उदाहरणों सहित समझाए।
3. वर्षेश निर्धारण का नियम समझाए व निम्न वर्ष पत्रिका में वर्षेश निर्धारण करें।  
लग्न-मिथुन 14:47, सूर्य-वृष 10:58, चन्द्रमा-वृश्चिक 23:59, मंगल-वृष 2:07, बुध-वृष 26:54, बृहस्पति-वृष 28:33, शुक्र-वृष 26:10, शनि (व)-तुला 12:11, राहू-तुला 22:46  
(जातक का जन्म 26 मई, 1954, जन्म लग्न वृषभ)  
ग्रहों का पंचवर्गीय बल है : सूर्य-7:84, चन्द्रमा-4:65, मंगल-6:45, बुध -8:25, गुरु-8:37, शुक्र-14:29, शनि-14:16
4. निम्न सहम के निर्धारण का नियम व महत्व समझाए।  
क) पुण्य सहम, ख) कार्यसिद्धि सहम ग) विवाह सहम घ) गुरु सहम
5. मुंथा किसे कहते हैं? सभी भावों में मुन्थेश के सामान्य फल बताए।

### भाग-II (मुहूर्त)

6. विवाह संस्कार के मुहूर्त में क्या-क्या विचारणीय विषय हैं?
7. i) षोडश संस्कार क्या हैं?  
ii) नामकरण और अक्षराभ्यास मुहूर्त के लिए कौन-कौन से योग ध्यान रखने चाहिए।
8. निम्नलिखित पर संक्षिप्त में टिप्पणी दीजिए:  
i) संक्रांति (सूर्य के आधार पर) ii) अभिजीत मुहूर्त  
iii) भद्रा iv) राहूकाल
9. यात्रा प्रारम्भ के मुहूर्त के लिए किन-किन विशेष नियमों को ध्यान में रखना चाहिए? यदि जातक व्यवसाय (व्यापार) के लिए यात्रा पर जा रहा हो तब मुहूर्त के नियम बताए।
10. मुहूर्त का क्या महत्व है? कारण सहित मुहूर्त का आधार समझाए।